*अध्ययन सामग्री

विषय- हिन्दी

स्नातक प्रतिष्ठा(खण्ड-3)

प्रश्न पत्र- षष्ठ

अन्योक्ति अलंकार का

लक्षण एवं उदाहरण

पदनाम- डॉ स्मिता जैन

एसोसिएट प्रोफेसर

हिंदी विभाग

एच डी जैन कॉलेज, आरा*

20:01

Scanned with CamScanner

अलंकार है।

अन्योक्ति अलंकार

"कमल परिचारक हो खंजन प्रथम
पंख फड़कना नहीं थे जानते,
चपल चोखी चोट कर अब पंख की
वे विकल करने लगे हैं भ्रमर को।"

"जहाँ अप्रस्तुत के वर्णन से प्रस्तुत की प्रतीति हो वहाँ अन्योक्ति अलंकार होता है।

महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए।
पटना - 800027
विक्रेता के
सामने के

Scanned with CamScanner